>

Title: Problems faced by the people living in Kandi area of Anandpur Sahib Constituency in Punjab.

श्री रवनीत सिंह (आनंदपुर साहिब): अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे सदन में बोलने का मौका दिया। मैं पंजाब के कंडी इलाके की बात करना चाहता हूं जो पंजाब का दस परसैन्ट हिस्सा है और 58 हजार हैक्टेअर जमीन उसके अंदर आती है। पंजाब की टोटल जमीन की दस परसैन्ट कंडी एरिया की जमीन है और पंजाब के सबसे बड़े ग्रीन एरिया को यह क्षेत्र कवर करता है। लेकिन हिमाचल प्रदेश के साथ लगने के कारण वहां का जो जंगल है, वह बिल्कुल खत्म होता जा रहा है और वहां से सारे जंगली जानवर नीचे कंडी एरिया में आकर किसानों की फसल को पूरी तरह से नष्ट कर देते हैं। क्योंकि हमारे यहां शिकार करने पर बिल्कुल पाबंदी है, हालांकि यह ठीक भी है। लेकिन जो वहां के इलाके के किसान हैं, उनकी लैंड होल्डिंग पहले ही बहुत कम है। वहां दो या तीन एकड़ वाले किसान हैं।

महोदया, मैं आपको बताना चाहता हूं कि किसी भी एरिया से अब वहां कोई शादी भी नहीं करना चाहता, क्योंकि वहां के नौजवान लड़के जंगलों में सारे दिन और रात जंगली जानवरों से अपनी फसल बचाने के लिए बैठे रहते हैं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record. Please do not disturb him. He is a new Member. Please do not disturb him. Let us observe thisâ€¦

*(Interruptions) â€¦**

श्री रवनीत सिंह : मैं इस बात से सहमत हूं कि हमें जंगली जानवरों के बारे में भी सोचना चाहिए। लेकिन साथ ही वहां के लोगों के बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए और वहां कंटीली तार के लगाने के बारे में भी सोचना चाहिए। क्योंकि वहां जो पीएलपीए एक्ट है, वह अंग्रेजों के समय का बना हुआ है, जिसके कारण हम वहां के दरख्त भी नहीं काट सकते हैं। इसलिए सरकार को वहां कोई न कोई रॉयल्टी देनी चाहिए, कोई न कोई प्रबंध जरूर करना चाहिए तथा वहां के लोगों को मुआवजा देना चाहिए।

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार द्वारा एआईबीपी स्कीम के तहत वहां कंडी कैनाल बनाने की योजना थी, उससे वहां के बहुत अधिक लोगों का इसका फायदा मिलना था। लेकिन यह कैनाल जहां से निकलनी थी, पंजाब सरकार ने उसका ट्रैक अपने आप ही चेंज कर दिया। हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों के साथ कंडी कैनाल निकलनी चाहिए थी, लेकिन जहां ट्यूबवैल्स लगे हुए हैं, जहां लोगों को सिंचाई का पानी पहले से ही मिल रहा है, वहां वे कंडी कैनाल निकालने जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से गुजारिश करूंगा कि उसे रोकना चाहिए और पहले सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट ने जो रास्ता डिसाइड किया था, वहीं पर यह कैनाल बननी चाहिए। इसके साथ ही उस एरिया में कोई न कोई इको-फ्रैंडली, जैसे हिमाचल प्रदेश के इंडस्ट्रीज को पैकेज दिया था, क्योंकि यह एरिया भी पहाड़ों के साथ ही पड़ता है। इसलिए वहां जम्मू-कश्मीर या हिमाचल प्रदेश की तरह कोई न कोई इको-फ्रैंडली इंडस्ट्रीज के लिए पैकेज देना चाहिए।

इसके साथ ही मैं फिर से आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

13.00 hrs.

अध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यो, पिछले दो दिन से ज़ीरो ऑवर नहीं हुआ है। मेरे पास बहुत लम्बी सूची है। मैं चाहती हूं कि सभी माननीय सदस्य बोलें। अगर आप सब की राय हो तो हम भोजनावकाश डेढ बजे से ढाई बजे तक करेंगे।

कुछ माननीय सदस्य : ठीक है।